ADVT. NQ.04/2022

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद
अनुसंधान भवन, 2 रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई), लखनऊ; सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (सीएसआईआर-आईआईआईएम), जम्मू; सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी), देहरादून; सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल), जमशेदपुर; और सीएसआईआर-खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी), भुवनेश्वर में निदेशक के पदों को कर रहा है

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) 1942 में स्थापित, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त सोसाइटी है। सीएसआईआर देश में एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन है और अपनी स्थापना के बाद से ही अपने विभिन्न एस, टी एंड आई हस्तक्षेपों के माध्यम से तकनीकी-सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दे रहा है। 36 अत्याधुनिक घटक प्रयोगशालाओं के साथ, आज सीएसआईआर दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अभिनव वैज्ञानिक और अनुसंधान संगठनों में से एक है। सीएसआईआर की विशेषज्ञता और अनुभव लगभग 9,000 जेआरएफ/एसआरएफ/आरए और परियोजना कर्मचारियों के अलावा इसके लगभग 3,500 वैज्ञानिकों और 4,400 वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता कर्मियों में सन्निहित है। सीएसआईआर सहकर्मी समीक्षा की गई अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (एससीआई) में सालाना 5,000 से अधिक पत्र प्रकाशित करता है। सीएसआईआर के पास 1,315 अद्वितीय पेटेंट का पेटेंट पोर्टफोलियो है, जिनमें से 184 पेटेंट का व्यावसायीकरण किया जा चुका है। सीएसआईआर के पास कई देशों में विदेशों में दिए गए 2,372 पेटेंट भी हैं। सीएसआईआर दुनिया भर में 1587 सरकारी संस्थानों में 37 वें स्थान पर है और शीर्ष 100 वैश्विक सरकारी संस्थानों में एकमात्र भारतीय संगठन है, सिमागो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग वर्ल्ड रिपोर्ट 2021 के अनुसार, सीएसआईआर एशिया में 7 वें स्थान पर है और पहले स्थान पर देश का नेतृत्व करता है। सीएसआईआर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी की विभिन्न धाराओं में प्रतिभा को निखारते और पोषित करते हुए भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था में प्रवेश किया है। सीएसआईआर को भारत के माननीय प्रधानमंत्री को अपनी सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में रखने का गौरव प्राप्त है।

सीएसआईआर सीएसआईआर के परिकल्पित दृष्टिकोण और मिशन में भाग लेने और योगदान देने के लिए सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई), लखनऊ; सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (सीएसआईआर-आईआईआईएम), जम्मू; सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी), देहरादून; सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल), जमशेदपुर; और सीएसआईआर-खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी), भुवनेश्वर में निदेशक के प्रतिष्ठित पद के लिए आवेदन / नामांकन आमंत्रित करता है, जिसमें पर्यावरण और सामाजिक लाभों के साथ आर्थिक विकास को शामिल करते हुए देश के सतत विकास के लिए एस, टी और आई नेतृत्व प्रदान करना शामिल है।

जैविक विज्ञान

1. **सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनबीआरआई)**, **लखनऊ** एक पादप आधारित बहु-विषयक**,** अत्याधुनिक राष्ट्रीय संस्थान है जो शास्त्रीय वर्गीकरण से आधुनिक जीव विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में अनुसंधान करता है**,** जिसमें अनुप्रयुक्त और बुनियादी अनुसंधान दोनों शामिल हैं। देश के गैर-फसल पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ उपयोग के लिए जैव सूचना विज्ञान, संरक्षण जीव विज्ञान, साइटोजेनेटिक्स, पर्यावरण विज्ञान, नृवंशविज्ञान, फूलों की खेती, सूक्ष्म जीव विज्ञान, पादप सूक्ष्मजीव बातचीत, आणविक जीव विज्ञान और आनुवंशिक इंजीनियरिंग, शरीर विज्ञान, फाइटोकेमिस्ट्री, पादप जैव विविधता, पादप प्रजनन, वर्गीकरण और वृक्ष जीव विज्ञान शामिल हैं। संस्थान अरोमा, फ्लोरीकल्चर आदि जैसे महत्वपूर्ण मिशनों में शामिल है और इसमें वनस्पति उद्यान, हर्बेरियम और एक एनबीए भंडार है। सीएसआईआर-एनबीआरआई किसानों और उद्यमियों की आवश्यकता के अनुरूप कई प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करता है।

प्रयोगशाला के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.nbri.res.in पर जाएँ।

2. **सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (सीएसआईआर-आईआईआईएम)**, **जम्मू** प्राकृतिक उत्पादों में उच्च अंत अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में है**,** जिसमें (ए) पौधों और माइक्रोबियल प्रजातियों से उपन्यास औषधीय रूप से सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों की जैव प्रौद्योगिकी संचालित दवा की खोज और औषधीय रसायन विज्ञान**,** प्रीक्लिनिकल फार्माकोलॉजी और नैदानिक विकास द्वारा लीड और उम्मीदवारों में अनुवाद करना शामिल है। इस दृष्टिकोण को नई रासायनिक इकाई (एनसीई) के साथ-साथ वनस्पति हर्बल मोड दोनों में अपनाया जाता है; (ख) विभिन्न भारतीय चिकित्सा प्रणालियों (आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और चिकित्सा की अन्य स्वदेशी प्रणालियों) में प्रयुक्त औषधियों की कार्रवाई के तंत्र का पूर्व-नैदानिक और नैदानिक सत्यापन और स्थापना; (ग) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए कश्मीर घाटी और लद्दाख सहित पश्चिमी हिमालय से उच्च मूल्य वाले औषधीय और सुगंधित पौधों की कृषि प्रौद्योगिकियों और वाणिज्यिक खेती का विकास करना; और (घ) नए उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को आउट-लाइसेंस देने के लिए भारतीय और वैश्विक फार्मास्युटिकल उद्योग के साथ काम करना। संयंत्र आधारित सामग्रियों के निष्कर्षण, जैव सक्रिय उत्पादों के अलगाव और किण्वन प्रौद्योगिकी के लिए प्रक्रिया विकास के लिए एक बहुउद्देशीय पायलट संयंत्र स्थापित किया गया है। 'अरोमा मिशन' के हिस्से के रूप में, संस्थान जम्मू और कश्मीर में लैवेंडर की बड़े पैमाने पर खेती करके 'बैंगनी क्रांति' लाने के लिए जिम्मेदार है।

संस्थान के बारे में अधिक जानकारी के लिए http://www.iiim.res.in पर जाएँ।

रासायनिक विज्ञान

3. **सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी)**, **देहरादून** पेट्रोलियम रिफाइनिंग, प्राकृतिक गैस, वैकल्पिक ईंधन, पेट्रोरसायन, आईसी इंजनों में पेट्रोलियम उत्पादों के उपयोग और औद्योगिक और घरेलू दहन के क्षेत्रों की सेवा करने वाला प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान है। संस्थान को प्रक्रिया और उत्पाद विकास (लैब आई बेंच आई पायलट स्केल), प्रोसेस स्केल-अप, प्रोसेस डिजाइन, प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन, प्रोसेस इम्प्रूवमेंट और रीफॉर्मिंग में अनुभव और विशेषज्ञता है। संस्थान तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, ऊर्जा लेखा परीक्षा और रासायनिक संयंत्रों में संरक्षण, वाहन प्रदूषण उपशमन, आईसी इंजनों में वैकल्पिक ईंधन के उपयोग और उत्पाद लक्षण वर्णन में भी शामिल है। एचपी के कुछ प्रमुख गतिविधि क्षेत्र पेट्रोलियम रिफाइनिंग, उत्प्रेरक रिफाइनिंग और उत्प्रेरक, पृथक्करण प्रक्रिया, विलायक निष्कर्षण, सोखना, झिल्ली, स्नेहन तेल और संशोधित बिटुमेन और कार्बन सामग्री के मूल्यांकन और लक्षण वर्णन के साथ हैं। विशेषज्ञता के अन्य क्षेत्रों में थर्मल रूपांतरण प्रक्रिया, मॉडलिंग और सिमुलेशन, रसायन / पेट्रोकेमिकल्स, मध्यवर्ती और संबंधित उद्योगों के लिए योजक हैं। स्पेशियलिटी केमिकल्स, पेट्रोकेमिकल इंटरमीडिएट्स, पेट्रोलियम धाराओं के जैव-प्रसंस्करण के लिए प्रक्रिया और उत्पाद विकास; बायोमास से ईंधन, ल्यूब्स और रसायन हाल ही में पेश किए गए हैं। संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को देश की 23 रिफाइनरियों में से 20 में तैनात किया गया है। बीपीसीएल के साथ संयुक्त रूप से विकसित एक प्रमुख उत्प्रेरक नियमित रूप से मध्य पूर्व में निर्यात किया जाता है। वैकल्पिक और टिकाऊ ईंधन के क्षेत्र में सीएसआईआर-आईआईपी नवाचारों ने स्वदेशी जैव-जेट ईंधन का उपयोग करके भारत में पहली बार नागरिक और सैन्य दोनों उड़ानों का नेतृत्व किया है। गेल के साथ साझेदारी में निर्मित और देहरादून के अपशिष्ट प्लास्टिक उत्पादन के 5 प्रतिशत तक उपयोग करने में सक्षम इसके अपशिष्ट प्लास्टिक से डीजल प्रदर्शन संयंत्र ने देहरादून में 15 प्लास्टिक बैंकों का संग्रह नेटवर्क बनाया है। सीएसआईआर-आईआईपी नई पवन-सौर-बायोगैस हाइब्रिड अवधारणा संभावित रूप से बैटरी के बिना ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाएगी, और एंड-ऑफ-लाइफ आईसी इंजन हल्के यात्री वाहनों के रेट्रोफिट की इसकी अवधारणा उन्हें ईवी में बदलने के लिए परिवहन अर्थव्यवस्था को डीकार्बोनाइज करने में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने का वादा करती है।

संस्थान रिफाइनिंग उद्योग, पेट्रोकेमिकल संयंत्रों, मोटर वाहन क्षेत्र, बिजली संयंत्रों और अन्य संबंधित उपयोगकर्ता उद्योग से तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अग्रणी स्थिति बनाए रखता है।

प्रयोगशाला के बारे में अधिक जानकारी के लिए http://www.iip.res.in पर जाएँ।

इंजीनियरिंग विज्ञान

4. **सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल)**, **जमशेदपुर** एक आईएसओ **9001** प्रमाणित प्रमुख अनुसंधान संगठन है जो खनिजों, धातुओं, सामग्रियों और निष्कर्षण धातु विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास में संलग्न है, विशेष रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रासंगिकता और उद्योगों की पर्यावरणीय समस्याओं को कम करने के लिए। संस्थान ने खनिज लाभकारी और ढेर, लौह और अलौह धातु विज्ञान, मिश्र धातु विकास और प्रसंस्करण, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग और, संसाधन

संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। संस्थान के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हितधारकों के साथ मजबूत संबंध हैं।
संस्थान के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.nmlindia.org पर जाएँ।

5. सीएसआईआर-खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी), भुवनेश्वर खनिज इंजीनियरिंग और सामग्री प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है। संस्थान को खनन, खनिज और धातु उद्योगों के सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक क्षेत्रों में बुनियादी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी उन्मुख कार्यक्रमों के संचालन में विशेषज्ञता प्राप्त है। सीएसआईआर-आईएमएमटी प्राकृतिक संसाधनों के वाणिज्यिक दोहन के लिए उन्नत और शून्य अपशिष्ट प्रक्रिया ज्ञान और परामर्श सेवाएं प्रदान करके वैश्वीकरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय उद्योगों की सहायता के लिए पिछले दशक से मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। संस्थान अधिक मूल्य संवर्धन के लिए उन्नत सामग्रियों के प्रसंस्करण में भी एक जगह बना रहा है और महत्वपूर्ण कच्चे माल की संसाधन उपयोग दक्षता पर काम कर रहा है।

संस्थान के बारे में अधिक जानकारी के लिए http://www.immt.res.in पर जाएँ।

योग्यता, अनुभव और आयु -

आवश्यक योग्यता: प्राकृतिक विज्ञान में पीएचडी या इंजीनियरिंग / स्वास्थ्य / चिकित्सा विज्ञान में मास्टर डिग्री (इंजीनियरिंग / स्वास्थ्य / चिकित्सा विज्ञान के लिए, पीएचडी वांछनीय है)।

आयु: 45 वर्ष या उससे अधिक लेकिन 56 वर्ष से अधिक नहीं।

अनुभव: प्रयोगशाला / संस्थानों / केंद्र की गतिविधियों के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास (अनुवाद अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के साथ) में कम से कम 16 वर्षों का अनुभव और उसमें नेतृत्व में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया।

अनुभव के वर्षों की गणना उम्मीदवार के अनुसंधान कैरियर की शुरुआत से की जाएगी।

छूट: डीजी, सीएसआईआर की मंजूरी के साथ असाधारण मेधावी उम्मीदवारों के मामले में योग्यता, आयु और अनुभव में छूट दी जा सकती है।

उम्मीदवार: रचनात्मक, अभिनव और एक अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक / टेक्नोलॉजिस्ट होना चाहिए जिसमें उत्कृष्ट पारस्परिक संबंधों के साथ बहुआयामी आर एंड डी टीमों का प्रबंधन करने की प्रदर्शित क्षमता होनी चाहिए। उम्मीदवार को आईपी और प्रकाशनों के निर्माण के अलावा प्रौद्योगिकी विकास के मामले में महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। उसे उच्च श्रेणी के अनुसंधान और विकास के पोषण के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में सक्षम होना चाहिए।

उत्तरदायित्व: निदेशक संस्थान के कर्मचारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण का पर्यवेक्षण और प्रयोग करेगा और निम्न के लिए जिम्मेदार होगा (**i**) संस्थान के मिशन को साकार करना, और (**ii**) सामाजिक / औद्योगिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रयोगशाला / संस्थान के नवाचार और उच्च श्रेणी के अनुसंधान एवं विकास और अन्य एस एंड टी गतिविधियों को पोषित करने के लिए अनुकूल वातावरण बनाना।

नियुक्ति: निदेशक के पद पर नियुक्ति वेतन मैट्रिक्स (**1,82,200- 2,24,100** रुपये) (**67,000-79,000** रुपये का पूर्व-संशोधित एचएजी वेतनमान) के स्तर **15** में स्वीकार्य भत्तों के साथ छह साल की अवधि के लिए या सेवानिवृत्ति तक, जो भी पहले हो, की जाएगी। कार्यकाल की अवधि केवल असाधारण मामलों में नवीकरणीय होगी। सीएसआईआर में निदेशक ग्रेड वैज्ञानिक अर्थात वैज्ञानिक 'एच'/उत्कृष्ट वैज्ञानिक के रूप में अवशोषण/नियुक्ति के लिए निदेशक पर विचार किया जा सकता है।

लाभ: बाह्य संविदा अनुसंधान एवं विकास, परामर्श और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सेवाओं के प्रतिपादन से प्राप्त धन को साझा करने का प्रावधान भी विद्यमान नियमों के अनुसार उपलब्ध है। आवासीय आवास और परिवहन नियमानुसार प्रदान किया जाता है। इसके अलावा सीएसआईआर के नियमों के अनुसार चिकित्सा, एलटीसी और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

पेटेंट आदि की सूची के साथ विवरण में वैज्ञानिक और अनुवादसंबंधी योगदान को उजागर करने वाले विस्तृत बायोडाटा के साथ पद के लिए आवेदन / नामांकन ईमेल आईडी **drc@csir.res.in** पर ईमेल के माध्यम से या डाक द्वारा निदेशक भर्ती प्रकोष्ठ, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, **2,** रफी मार्ग, नई दिल्ली -**110001** के पते पर भेजा जा सकता है। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **16.08.2022** है।

बायोडाटा के लिए प्रारूप

1. प्रयोगशाला का नाम जिसके लिए आवेदन/ नमामंकन किया है:
2. नाम:
3. जन्म तिथि:
4. वर्तमान स्थिति और पता:
5. शैक्षिक योग्यता:
6.

क्र. सं.	डिग्री/सर्टिफिकेट	उत्तीर्ण होने का वर्ष	विश्वविद्यालय/संस्थान	विषय

7. अकादमिक /अनुसंधान अनुभव / रोजगार

क्र. सं.	से लेकर	तक	संगठन का नाम	पद संभाला

8. विशेषज्ञता के क्षेत्र:
9. प्राप्त सम्मान/पुरस्कार/मान्यता:
10. व्यावसायिक संबद्धता:
11.

क) लोकप्रिय लेखों सहित अनुसंधान प्रकाशनों की सूची, यदि कोई हो;

ख) विशेषज्ञता के वर्तमान क्षेत्र के लिए प्रासंगिक पिछले 10 वर्षों में सर्वोत्तम पेशेवर आउटपुट / परिणामों की सूची;

ग) विशेषज्ञता के क्षेत्र में योगदान की मुख्य विशेषताएं*

12. लिखित/संपादित पुस्तकों की संख्या:
13.

क) पेटेंट/कॉपी अधिकार/ट्रेड मार्क/आईपीआर की संख् या जो अनुवादसंबंधी अनुसंधान योगदानों के लिए प्रदान/आवेदन की गई है और उन पर प्रकाश डाला गया है:

ख) विवरण के साथ विकसित, लाइसेंस प्राप्त और / या व्यावसायीकरण प्रौद्योगिकियां।

14. शोध प्रबंध पर्यवेक्षण:

(क) पीएच.डी.
(ब) स्नातकोत्तर

14. सीएसआईआर-एनबीआरआई/आईआईआईएम/आईआईपी/एनएमएल/आईएमएमटी के लीडर के रूप में दृष्टि का 1-2 पृष्ठ सारांश।

15. उच्च ख्याति के 5 पेशेवर रेफरी की सूची जिनके साथ उम्मीदवार ने अतीत में बातचीत की है।

मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि ऊपर उल्लिखित सभी जानकारी मेरे ज्ञान के सर्वोत्तम के लिए सही है।

आवेदक के हस्ताक्षर

* विवरण अलग से संलग्न किया जा सकता है

आवेदकों से अनुरोध है कि वे एमएस वर्ड फॉर्मेट में नीचे दिए गए प्रो-फॉर्मा को भी भरें और अपने आवेदनों के साथ इसे ईमेल के माध्यम से drc@csir.res.in पर भेजें

नाम और पता	योग्यता और विशेषज्ञता	अनुभव	सम्मान/ पुरस्कार	प्रकाशन/पेटेंट/पुस्तकें/पीएचडी/पुरस्कार सं.	05 रेफरी की सूची